Drishti IAS

सितम्बर 2024 (संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

बिहार **3**

- बिहार भूमि सर्वेक्षण 3
- बिहार में मेगा इंडस्ट्री प्लेयर्स 3
- पेयजल परियोजना का शिलान्यास 4
- हरतालिका तीज, 2024 5
- मुज़फ्फरपुर अस्पताल: कोई मरीज़ नहीं 6
- बिहार को चार और वंदे भारत ट्रेनें मिलीं 7
- पितृ पक्ष 8
- विष्णुपद और महाबोधि मंदिर के लिये कॉरिडोर परियोजनाएँ 9
- बिहार में बाढ़ 10
- मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु निर्माण योजना 11
- बिहार पर्यटन एवं बाज़ार नीति-2024 12
- सहारा इंडिया निवेशकों के राहत प्रयास: एक करीबी नज़र 12
- जीवित्पुत्रिका त्योहार 13

नोट :

बिहार

बिहार भूमि सर्वेक्षण

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **बिहार सरकार** ने **भूमि सर्वेक्षण से संबंधित व्यापक जानकारी प्रदान करने के लिये एक ऐप** लॉन्च किया है, जो समाधान के लिये बार-बार ब्लॉक कार्यालयों का चक्कर लगाने वाले लोगों की समस्याओं का समाधान करता है।

मुख्य बिंदु:

- **बिहार में भूमि सर्वेक्षण:** भूमि संबंधी आँकड़ों को डिजिटल बनाने और भूमि विवादों को सुलझाने के लिये 45,000 गाँवों में सर्वेक्षण कार्य जारी है, जिसे पूरा करने के लिये एक वर्ष का समय निर्धारित किया गया है।
- **उद्देश्य:**
  - सरकारी भूमि की पुनर्प्राप्ति को सुगम बनाना, भूमि संबंधी विवादों को कम करना तथा भूमि संबंधी मुद्दों से संबंधित अपराधों को रोकना।
  - यदि भूमि के दस्तावेज़ प्रस्तुत नहीं किये गए तो भूमि को **सरकारी संपत्ति के रूप में दर्ज** कर लिया जाएगा।
- **कार्यान्वयन:**
  - एक बार सर्वेक्षण पूरा हो जाने और रिकॉर्ड अद्यतन हो जाने पर, दस्तावेज़ रोके जाने संबंधी शिकायतों का समाधान कर दिया जाएगा।
  - **कानूनगो और लेखपालों** सहित अधिकारियों को जनता को सूचित करने के लिये शिविर लगाने का निर्देश दिया गया है।

बिहार में मेगा इंडस्ट्री प्लेयर्स

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में बिहार को **वर्ष 2022 और 2024** के बीच **12,000 करोड़ रुपए** के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जो वर्ष 2016 तथा 2022 के बीच प्राप्त 2,500 करोड़ रुपए की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है।

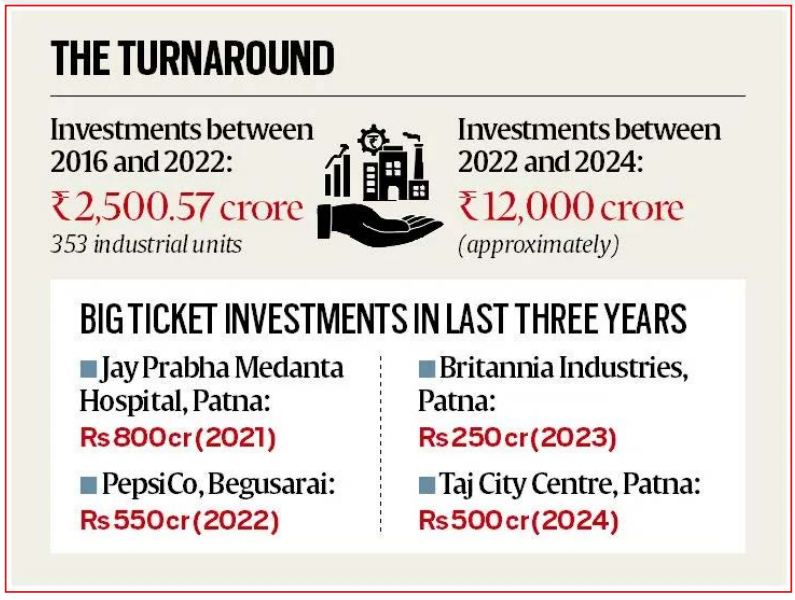

नोट :

मुख्य बिंदु

- **निवेशक:** ब्रिटानिया, पेप्सिको, टाटा समूह और मेदांता जैसी प्रमुख कंपनियाँ राज्य में निवेश कर रही हैं।
- **क्षेत्रीय केंद्र/फोकस:** निवेश मुख्य रूप से कपड़ा, चमड़ा, **खाद्य प्रसंस्करण** और सीमेंट उद्योगों में है।
  - प्रमुख परियोजनाओं में **अंबुजा सीमेंट्स की 1,600 करोड़ रुपए की इकाई,** टाटा समूह का ताज होटल और मेदांता का अस्पताल शामिल हैं।
  - निजी खिलाड़ियों के आने से स्वास्थ्य सेवा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिससे सरकारी अस्पतालों पर बोझ कम हुआ है।
  - प्रचुर मात्रा में कच्चे माल द्वारा समर्थित खाद्य प्रसंस्करण में बिहार की ताकत को भविष्य के निवेश **वृद्धि के लिये एक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में मान्यता दी गई है।**
- **उद्योग के लिये सरकारी पहल: राज्य ने पिछले दो वर्षों में 5,000 एकड़ का भूमि बैंक बनाया है और 7,592 एकड़ भूमि पट्टे पर दी है।**
  - **31 ज़िलों** में नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किये जा रहे हैं तथा **पश्चिमी चंपारण और बक्सर में विशेष आर्थिक क्षेत्र (Special Economic Zones- SEZ) की योजना** बनाई गई है।
- **चुनौतियाँ:** प्रगति के बावजूद, निवेशकों को **भूमि की उपलब्धता, बुनियादी ढाँचे, व्यापार करने में आसानी और श्रमिक अशांति की समस्याओं** का सामना करना पड़ रहा है।
  - सरकार ने **एकल खिड़की प्रणाली** को बढ़ाने और सरकारी प्रोत्साहन बढ़ाने के महत्त्व पर बल दिया।

पेयजल परियोजना का शिलान्यास

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में बिहार सरकार ने **औरंगाबाद, डेहरी और सासाराम** में पीने के लिये **सोन नदी का जल** उपलब्ध कराने हेतु 1,347 करोड़ रुपए की परियोजना की आधारशिला रखी।

मुख्य बिंदु

अन्य पहल: रोहतास ज़िले के डेहरी में एक राज्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, तकनीकी प्रयोगशालाओं, स्ट्रीट लाइटों और **आँगनवाड़ी केंद्रों** का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया गया।

बिहार ग्रामीण आजीविका परियोजना (BRLP), जिसे **जीविका (JEEViKA) के नाम से जाना जाता है,** के अंतर्गत **1,864 स्वयं सहायता समूहों** को 74.17 करोड़ रुपए का चेक वितरित किया गया।

जीविका (JEEViKA): **विश्व बैंक** द्वारा वित्त पोषित, यह एक ग्रामीण सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण कार्यक्रम है जो बिहार के ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत आता है।

सोन

- सोन नदी एक बारहमासी नदी है जो मध्य भारत से होकर प्रवाहित होती है।
- सोन नदी **यमुना नदी** के बाद **गंगा** की दूसरी सबसे बड़ी दक्षिणी (दाहिनी तट) सहायक नदी है।

नोट :

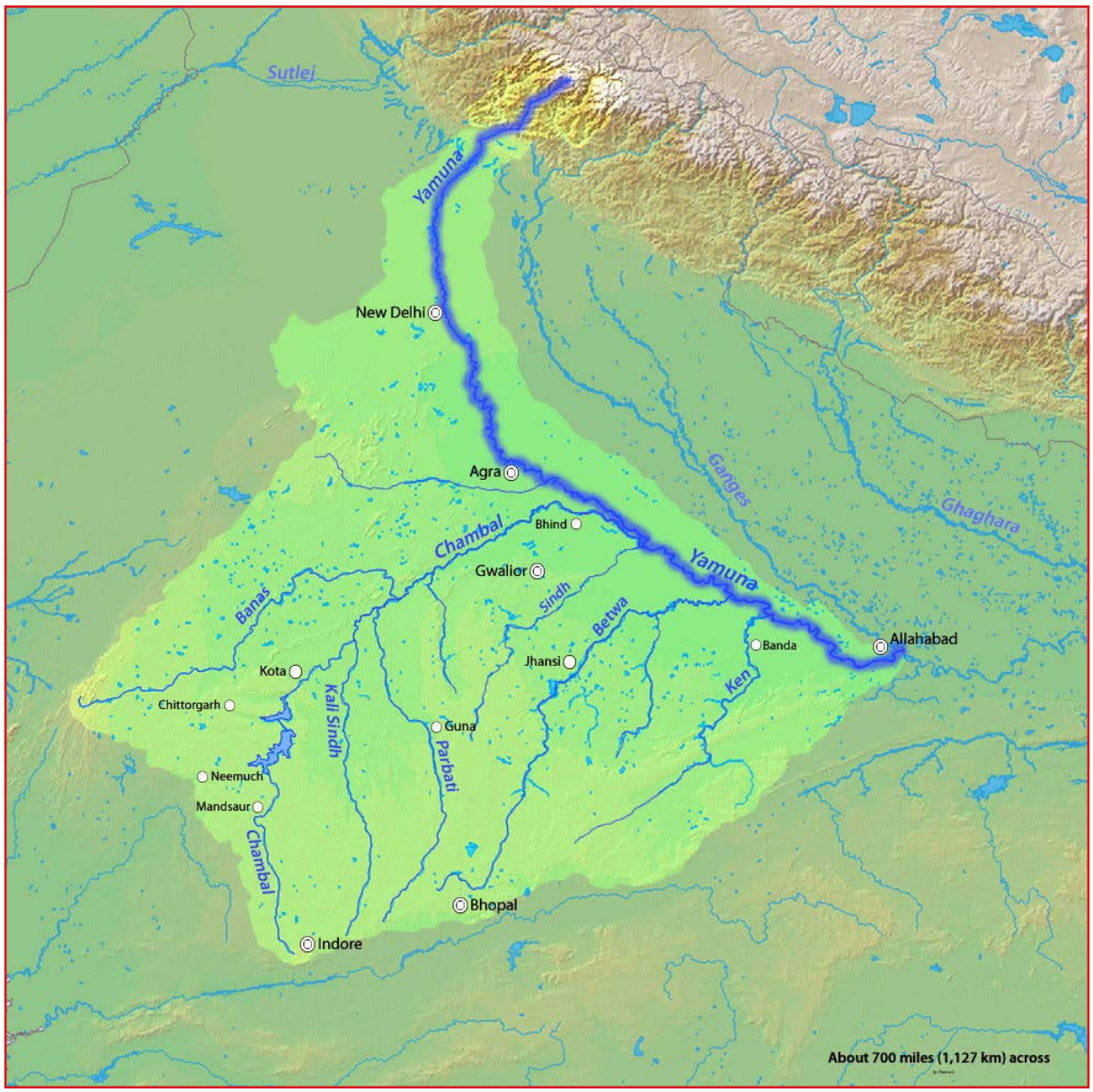

हरतालिका तीज, 2024

चर्चा में क्यों ?

हरतालिका तीज व्रत भाद्रपद माह के **शुक्ल पक्ष** की तृतीया को मनाया जाता है। वर्ष 2024 में यह दिवस 6 सितंबर को मनाया जाएगा।

प्रमुख बिंदु:

- **"हरतालिका" का अर्थ:** दो संस्कृत शब्दों से व्युत्पन्न: "हरत" (अपहरण) और "आलिका" (स्त्री मित्र)।
- **पृष्ठभूमि:** भगवान शिव की भक्त देवी पार्वती को उनके पिता की इच्छा के अनुसार भगवान विष्णु से उनके विवाह से बचाने के लिये उनकी सहेलियों ने उनका अपहरण कर लिया था।

नोट :

- पार्वती ने भगवान शिव की मिट्टी की मूर्ति की पूजा की, जिससे वे प्रसन्न हुए और अंततः उनका विवाह हो गया।
- महिलाएँ सुखी वैवाहिक जीवन के लिये देवी गौरी से आशीर्वाद लेने के लिये **स्वर्ण गौरी व्रत** रखती हैं।

- **उत्तर भारतीय राज्यों में प्रमुख:** राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड।
  - **दक्षिण भारतीय राज्यों** कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में इसे **गौरी हब्बा** के नाम से भी जाना जाता है।
- **तीज त्योहार:** तीन मुख्य तीज त्योहारों में से एक, हरियाली तीज और कजरी तीज के साथ, सावन एवं भाद्रपद के महीनों में मनाया जाता है।

मुज़फ्फरपुर अस्पताल: कोई मरीज़ नहीं

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मुज़फ्फरपुर के चैनपुरा गाँव में 2015 में निर्मित एक सरकारी अस्पताल स्थानीय **स्वास्थ्य सेवाओं** के लिये बनाए जाने के बावजूद अप्रयुक्त और परित्यक्त है।

मुख्य बिंदु:

- **अस्पताल की स्थिति:** चैनपुरा गाँव में सरकारी अस्पताल 2015 में बनाया गया था, लेकिन यहाँ कभी किसी मरीज़ का इलाज नहीं हुआ।
- 30 बिस्तरों वाले इस अस्पताल का कभी उद्घाटन नहीं हुआ और यह वीरान पड़ा है।
- **वर्तमान स्थिति:** अस्पताल ऊँची घास से घिरा हुआ है, जो किसी डरावने घर जैसा लगता है। यह जुआरियों, शराबियों और नशेड़ियों सहित असामाजिक तत्त्वों का अड्डा बन गया है।
- **निर्माण संबंधी मुद्दे:** अस्पताल का निर्माण मूल रूप से नियोजित स्थान से अलग स्थान पर किया गया था, जिसके कारण स्वास्थ्य विभाग ने कब्ज़ा देने से इनकार कर दिया। छह एकड़ में फैला यह अस्पताल अभी भी परित्यक्त है।
- **बिहार में स्वास्थ्य सेवा की स्थिति**
  - **स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना:** बिहार को स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, कई परियोजनाएँ या तो अधूरी हैं या उनका पूरा उपयोग नहीं हुआ है।

नोट :

- राज्य में 9,112 **SC** (उप-केंद्र), 1,702 **PHC** (प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा केंद्र) और 57 **CHC** (सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र) हैं, जिनमें से 10.54% PHC शहरी क्षेत्रों में हैं। **आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र (AB-HWC)** के तहत, 2,341 HWC चालू हैं। सभी ज़िला अस्पताल (DH) तथा उप-ज़िला अस्पताल (SDH) कार्यात्मक FRU (प्रथम रेफरल इकाई) के रूप में कार्य करते हैं।

- **स्वास्थ्य देखभाल तक पहुँच:** राज्य अपर्याप्त स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं से जूझ रहा है, जिससे इसके निवासियों की देखभाल की पहुँच और गुणवत्ता प्रभावित हो रही है।
  - हाल के आँकड़ों से पता चलता है कि **1,000 लोगों में से 642 लोगों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं से OPD सेवाओं** और 33 लोगों ने **IPD सेवाओं** का इस्तेमाल किया। हालाँकि **NSSO डेटा (2017-18)** से पता चलता है कि केवल 18% ग्रामीण और 23% शहरी OPD मामलों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का उपयोग किया, जबकि 70% ग्रामीण तथा 72% शहरी IPD मामलों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का उपयोग किया, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है।

- **चुनौतियाँ**
  - **अपर्याप्त योजना और कार्यान्वयन:** निर्माण गलत भूखंड पर किया गया, जिसके कारण परियोजना को छोड़ दिया गया।
  - **तोड़फोड़ और उपेक्षा:** रखरखाव के अभाव के कारण अस्पताल परिसर को काफी क्षति पहुँची है और उसका दुरुपयोग हुआ है।
  - **उद्घाटन और संचालन का अभाव:** अस्पताल का कभी उद्घाटन नहीं किया गया और न ही इसे क्रियाशील बनाया गया, जिससे यह एक बेकार संपत्ति बनकर रह गया।
  - **स्थानीय समुदाय पर प्रभाव:** ग्रामीण स्थानीय चिकित्सा सेवाओं से वंचित हैं और उन्हें स्वास्थ्य देखभाल के लिये लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।

- **आगे की राह**
  - **तत्काल मरम्मत और संचालन:** अस्पताल को कार्यात्मक बनाने के लिये तत्काल मरम्मत तथा नवीनीकरण करना। सुनिश्चित करना कि इमारत सुरक्षित एवं रखरखाव योग्य है।
  - **प्रभावी प्रबंधन और निरीक्षण:** यह सुनिश्चित करने के लिये कि स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की योजना, निर्माण और रखरखाव उचित रूप से किया गया है, मज़बूत निरीक्षण तंत्र को लागू करना।
  - **सामुदायिक सहभागिता:** स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की योजना और संचालन में स्थानीय समुदायों को शामिल करना ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे वास्तविक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।
  - **स्वास्थ्य देखभाल योजना की समीक्षा और सुधार करना:** मौजूदा स्वास्थ्य देखभाल परियोजनाओं की गहन समीक्षा करना और भविष्य में इसी तरह की समस्याओं को रोकने के लिये योजना तथा कार्यान्वयन प्रक्रियाओं में सुधार करना।

बिहार को चार और वंदे भारत ट्रेनें मिलीं

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में बिहार के लिये चार नई **वंदे भारत एक्सप्रेस** ट्रेनों का उद्घाटन किया गया, जिससे राज्य का रेल संपर्क बेहतर होगा।

प्रमुख बिंदु:

- **मार्ग:**
  - टाटानगर-पटना
  - भागलपुर-हावड़ा
  - गया-हावड़ा
  - देवघर-वाराणसी (बिहार से गुज़रते हुए)

नोट :

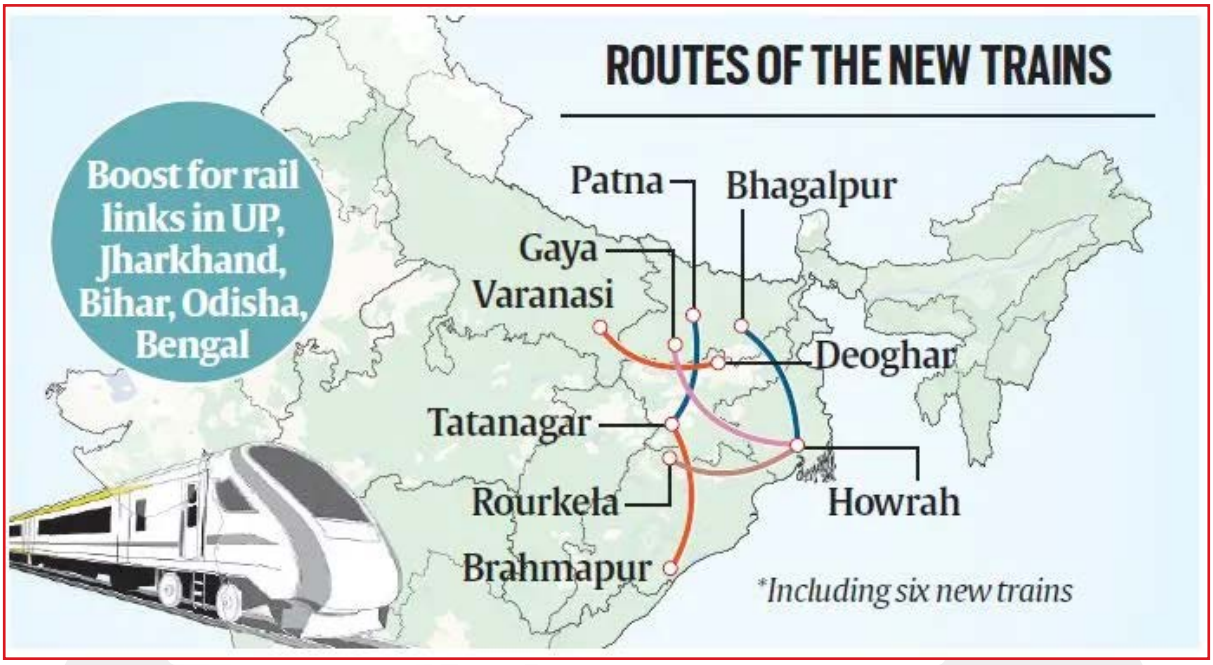

वंदे भारत ट्रेन

- **विशेषताएँ:**
  - **गति:** वंदे भारत रेलगाड़ियों को उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ उच्च गति वाली रेलगाड़ियों के रूप में डिज़ाइन किया गया है, जो पारंपरिक रेलगाड़ियों की तुलना में कम समय में यात्रा प्रदान करती हैं।
  - **आराम:** वे आरामदायक बैठने की जगह, बेहतर सफाई और उन्नत सुरक्षा सुविधाओं सहित आधुनिक सुविधाएँ प्रदान करती हैं।
  - **दक्षता:** ये रेलगाड़ियाँ अपनी ऊर्जा दक्षता और कम यात्रा समय के लिये जानी जाती हैं।
- **प्रौद्योगिकी प्रगति:**
  - **अत्याधुनिक डिज़ाइन:** वंदे भारत रेलगाड़ियों में नवीनतम रेल प्रौद्योगिकी और डिज़ाइन सुधार शामिल हैं।
  - **यात्री अनुभव:** ये रेलगाड़ियाँ समग्र यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सुविधाओं से सुसज्जित हैं, जिनमें बेहतर ऑनबोर्ड सेवाएँ और सुविधाएँ शामिल हैं।

पितृ पक्ष

चर्चा में क्यों ?

पितृ पक्ष , जिसे श्राद्ध के नाम से भी जाना जाता है , **हिंदू कैलेंडर के अनुसार एक महत्त्वपूर्ण समयावधि है जो** अपने पूर्वजों को श्रद्धांजलि देने हेतु समर्पित है।

- **2024 में पितृ पक्ष 17 सितंबर** को शुरू होगा और **2 अक्तूबर को** महालया या सर्व पितृ अमावस्या के साथ समाप्त होगा।

प्रमुख बिंदु

- पितृ पक्ष हिंदू धर्म में अत्यधिक आध्यात्मिक और धार्मिक महत्त्व रखता है। ऐसा माना जाता है कि इस अवधि के दौरान, मृत पूर्वजों की आत्माएँ अपने जीवित वंशजों से तर्पण प्राप्त करने हेतु पृथ्वी पर उतरती हैं।
  - **यह समय पितृ दोष** (जो कि पूर्वजों के ऋण का प्रतीक है) से मुक्ति हेतु अनुष्ठान करने के लिये पवित्र माना जाता है ।

नोट :

- **अनुष्ठान और अनुष्ठान:**
  - **पितृ पक्ष के** दौरान किये जाने वाले अनुष्ठानों को **श्राद्ध** के रूप में जाना जाता है ।
  - ये अनुष्ठान श्रद्धा और पवित्रता के साथ दिवंगत आत्माओं की शांति सुनिश्चित करने तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु **किये जाते हैं।**
- **प्रमुख अनुष्ठानों में शामिल हैं:**
  - **पवित्र स्नान:** अनुष्ठान करने वाला व्यक्ति, आमतौर पर **सबसे बड़ा पुत्र**, पवित्र जल में स्नान करके शुरुआत करता है, जो शुद्धता का प्रतीक है।
  - **भोजन और वस्त्र भेंट करना:** घर पर आमंत्रित ब्राह्मणों को सात्विक भोजन और वस्त्र भेंट किये जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि ऐसा करने से पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है।
  - **पितृ तर्पण:** इसमें विशिष्ट मंत्रों का उच्चारण करते हुए पूर्वजों को जल और तिल अर्पित किया जाता है।
  - **पशुओं को भोजन करवाना:** इस अवधि के दौरान गाय, कुत्ते और कौवे को भोजन करवाना अत्यधिक शुभ माना जाता है।
- **सांस्कृतिक और क्षेत्रीय प्रथाएँ**
  - **भारत के विभिन्न क्षेत्रों में पितृ पक्ष मनाने के अलग-अलग तरीके हैं। उदाहरण के लिये, बिहार** का **गया** शहर इस अवधि के दौरान महत्त्वपूर्ण अनुष्ठान आयोजित करने हेतु प्रसिद्ध है।
  - कई लोग **पितृ तर्पण** करने के लिये **गंगा घाट पर जाते हैं**, क्योंकि उनका मानना है कि यह विशेष पुण्यदायी है।

विष्णुपद और महाबोधि मंदिर के लिये कॉरिडोर परियोजनाएँ

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **केंद्रीय बजट 2024-25** में बिहार के **गया में विष्णुपद मंदिर** और **बोधगया में महाबोधि मंदिर** के लिये **कॉरिडोर परियोजनाओं को** विकसित करने की योजना प्रस्तुत की गई।

प्रमुख बिंदु

- **गया में विष्णुपद मंदिर**
  - **स्थान:** यह भारत के बिहार के गया ज़िले में फल्गु नदी के तट पर स्थित है।
  - **मुख्य देवता:** यह मंदिर **भगवान विष्णु को समर्पित है।**
  - **किवदंती:** स्थानीय पौराणिक कथाओं के अनुसार, गयासुर नामक एक राक्षस ने देवताओं से दूसरों को मोक्ष (पुनर्जन्म के चक्र से मुक्ति) प्राप्त करने में मदद करने की शक्ति देने का अनुरोध किया था। हालाँकि इस शक्ति का दुरुपयोग करने के बाद भगवान विष्णु ने उसे वश में कर लिया और मंदिर में एक पदचिह्न छोड़ दिया, जिसे उस घटना का प्रतीक माना जाता है।
  - **वास्तुकला संबंधी विशेषताएँ:** मंदिर लगभग 100 फीट ऊँचा है और इसमें 44 स्तंभ हैं, जो **विशाल ग्रे ग्रेनाइट ब्लॉक** (मुंगेर काले पत्थर) से बने हैं तथा **लोहे की पट्टियों से जुड़े हुए हैं**
  - अष्टकोणीय **मंदिर** पूर्व दिशा की ओर उन्मुख है।
  - **निर्माण:** इसका निर्माण वर्ष **1787 में रानी अहिल्याबाई होल्कर** के आदेश के तहत किया गया था।
  - **सांस्कृतिक प्रथाएँ: यह मंदिर पितृ पक्ष** के दौरान विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण होता है, जो पूर्वजों को सम्मानित करने के लिये समर्पित अवधि है तथा बड़ी संख्या में भक्तों को आकर्षित करता है।
    - ब्रह्म **कल्पित ब्राह्मण**, जिन्हें गयावाल ब्राह्मण भी कहा जाता है, प्राचीन काल से मंदिर के पारंपरिक पुजारी रहे हैं।
- **बोधगया में महाबोधि मंदिर**
  - **स्थान:** बोधगया, बिहार के गया ज़िले में।
  - **ऐतिहासिक महत्त्व:** ऐसा माना जाता है कि यह वह **स्थान है, जहाँ गौतम बुद्ध को** महाबोधि वृक्ष के नीचे **ज्ञान की प्राप्ति हुई थी ।**

नोट :

- **निर्माणकर्ता:** मूल मंदिर का निर्माण **सम्राट अशोक** ने तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में करवाया था, जबकि वर्तमान संरचना **5वीं - 6वीं शताब्दी की है**।
- **स्थापत्य विशेषताएँ:** इसमें **50 मीटर ऊँचा भव्य मंदिर,** वज्रासन, पवित्र **बोधि वृक्ष** और बुद्ध के ज्ञान प्राप्ति के अन्य छह पवित्र स्थल शामिल हैं, जो कई प्राचीन **स्तूपों से घिरे हैं तथा** आंतरिक, मध्य एवं बाहरी गोलाकार सीमाओं द्वारा अच्छी तरह से अनुरक्षित व संरक्षित हैं।
- **यह गुप्त काल** के सबसे प्रारंभिक **ईंट मंदिरों में से एक है,** जिसने बाद की ईंट वास्तुकला को प्रभावित किया है।
- वज्रासन **(हीरा सिंहासन)** मूलत: **सम्राट अशोक द्वारा** उस स्थान को चिह्नित करने के लिये स्थापित किया गया था जहाँ बुद्ध ध्यान साधना करते थे।

- **महाबोधि मंदिर के पवित्र भाग:**
  - **बोधि वृक्ष:** ऐसा माना जाता है कि यह उस वृक्ष का प्रत्यक्ष वंशज है, जिसके नीचे बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।
  - **अनिमेषलोचन चैत्य:** जहाँ बुद्ध ने दूसरा सप्ताह बिताया था।
  - **रत्नचक्रमा:** बुद्ध के तीसरे सप्ताह के चलित ध्यान (walking meditation) का स्थल।
  - **रत्नाघर चैत्य:** बुद्ध के चौथे सप्ताह का स्थल।
  - **अजपाल निग्रोध वृक्ष:** बुद्ध के पाँचवें सप्ताह का स्थल।
  - **लोटस पॉण्ड:** बुद्ध के छठे सप्ताह का स्थल।
  - **राजयतन वृक्ष:** बुद्ध के सातवें सप्ताह का स्थल।
- **मान्यता:** महाबोधि मंदिर वर्ष 2002 से **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।**
- **तीर्थ स्थल:** महाबोधि मंदिर बड़ी संख्या में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है, जो इसके आध्यात्मिक महत्त्व को दर्शाता है।

बिहार में बाढ़

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **बिहार राज्य ,**बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिसमें **12 ज़िले जलमग्न हो गए हैं** और 12 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

प्रमुख बिंदु

- **बाढ़ की स्थिति:**
  - नेपाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखंड में भारी वर्षा के कारण उत्तर और दक्षिण बिहार की नदियों का जलस्तर बढ़ गया है ।
  - इस स्थिति के कारण बिहार में, विशेषकर गंगा जैसी नदियों के किनारे, व्यापक बाढ़ आ गई है।
- **प्रभावित क्षेत्र:**
  - इससे 12 ज़िले प्रभावित हुए हैं, जिनमें **बक्सर, भोजपुर, सारण, वैशाली, पटना , समस्तीपुर, बेगुसराय, लखीसराय, मुंगेर, खगड़िया, भागलपुर** और **कटिहार शामिल हैं** ।
  - निचले क्षेत्रों में रहने वाले कुल **12.67 लाख** लोग बढ़ते जलस्तर से प्रभावित हुए हैं।
  - इससे प्रभावित ट्रेनों में पटना-दुमका एक्सप्रेस, सरायगढ़ देवघर स्पेशल, जमालपुर-किउल मेमू स्पेशल और भागलपुर-दानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस शामिल हैं।
  - बिहार **आपदा प्रबंधन विभाग (DMD) ने** बताया कि इस बाढ़ से **361 पंचायतें** प्रभावित हुई हैं।

नोट :

बाढ़ क्या है ?

- **परिचय:**
  - बाढ़ प्राकृतिक आपदा का सबसे प्रमुख प्रकार है और यह तब होता है **जब पानी का अतिप्रवाह भूमि** को जलमग्न कर देता है जो आमतौर पर सूखी होती है।
  - वर्ष 1998-2017 के बीच, बाढ़ के कारण दुनिया भर में 2 बिलियन लोग प्रभावित हुए हैं।
- **कारण:**
  - ये अक्सर भारी **वर्षा, तेज़ी से बर्फ पिघलने या तटीय क्षेत्रों में उष्णकटिबंधीय** चक्रवात या सुनामी से उत्पन्न तूफानी लहरों के कारण होते हैं।

बाढ़ के प्रकार:

- **आकस्मिक बाढ़:** ये तीव्र और अत्यधिक वर्षा के कारण होते हैं, **जिससे जल स्तर तेज़ी से बढ़ता है तथा नदियाँ, नाले, चैनल या सड़कें जलमग्न हो जाती हैं।**
- **नदी द्वारा बाढ़:** ऐसा तब होता है जब लगातार **बारिश या बर्फ पिघलने से नदी** का जलस्तर अपनी क्षमता से अधिक हो जाता है।
- **तटीय बाढ़:** ये उष्णकटिबंधीय **चक्रवातों और सुनामी** से संबंधित तूफानी लहरों के कारण होते हैं।

मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु निर्माण योजना

चर्चा में क्यों

हाल ही में, बिहार सरकार ने **राज्य में छोटे पुलों** के निर्माण के माध्यम से **ग्रामीण बुनियादी ढाँचे को बढ़ावा देने के लिये "मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु निर्माण योजना" (MGSNY) को स्वीकृति दी।**

प्रमुख बिंदु

- **योजना का उद्देश्य :**
  - "मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु निर्माण योजना" (MGSNY) का उद्देश्य **बिहार के ग्रामीण क्षेत्र में कनेक्टिविटी बढ़ाना है।**
  - यह योजना विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में **1,000 छोटे पुलों के निर्माण पर केंद्रित है।**
- **लक्ष्य क्षेत्र:**
  - इस पहल में **उन दूरदराज़ और ग्रामीण क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है** जो अपर्याप्त बुनियादी ढाँचे के कारण कठिनाइयों का सामना करते हैं।
  - **इससे मानसून के मौसम** में दुर्गमता की समस्या का समाधान होने की उम्मीद है , जब नदी और **नालों के जल का स्तर अत्यधिक बढ़ जाता हैं तथा गाँवों से संपर्क टूट जाता है।**
- **अपेक्षित लाभ :**
  - इन पुलों के निर्माण से ग्रामीण आबादी के लिये **परिवहन में उल्लेखनीय सुधार होगा** , जिससे वस्तु और लोगों की आवाजाही आसान हो सकेगी।
  - **उन्नत बुनियादी ढाँचा किसानों, व्यापारियों और सेवा प्रदाताओं को बाज़ारों से** जोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में **आर्थिक विकास** में योगदान देगा ।
  - इससे **शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच में भी सुधार होगा** तथा स्कूली बच्चों एवं तत्काल चिकित्सा देखभाल की जरूरत वाले रोगियों के लिये तीव्र व अधिक विश्वसनीय परिवहन सुनिश्चित होगा।

नोट :

बिहार पर्यटन एवं बाज़ार नीति-2024

चर्चा में क्यों

हाल ही में, बिहार ने राज्य में **पर्यटन बुनियादी ढाँचे और बाज़ार एकीकरण को** बढ़ावा देने हेतु **बिहार पर्यटन एवं बाज़ार नीति-2024** को स्वीकृति दी है, जिससे यह सांस्कृतिक, पारिस्थितिक व विरासत पर्यटन का केंद्र बन सके।

प्रमुख बिंदु

- **उद्देश्य :**
  - बिहार में सतत् पर्यटन विकास को बढ़ावा देना तथा **पर्यटन स्थल के रूप में इसके आकर्षण को बढ़ाना।**
  - पर्यटन संबंधी गतिविधियों के माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना और **रोज़गार के अवसर उत्पन्न करना ।**
- **प्रमुख विशेषताएँ :**
  - **अवसंरचना विकास : इसमें पर्यटकों की सहायता के लिये** परिवहन, आवास और सुविधाओं में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
  - **विरासत संवर्धन : बोधगया, नालंदा और राजगीर** जैसे स्थलों सहित बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को प्रदर्शित करने पर ज़ोर गया है।
  - **सार्वजनिक-निजी भागीदारी :** यह पर्यटन अवसंरचना और सेवाओं में निजी निवेश को बढ़ावा देती है
    - यह पर्यटन से संबंधित व्यवसायों और स्टार्टअप्स के लिये वित्तीय सहायता और सब्सिडी प्रदान करती है।
- **विपणन एवं संवर्धन :**
  - बिहार के अद्वितीय आकर्षणों को उजागर करने हेतु **विपणन अभियान** शुरू किया गया ।
  - व्यापक पहुँच के लिये **डिजिटल प्लेटफॉर्म** और सोशल मीडिया का उपयोग ।
- **बिहार के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल**
  - बोधगया में महाबोधि मंदिर परिसर
  - राजगीर में विश्व शांति स्तूप
  - नालन्दा, पाटलिपुत्र का प्राचीन शहर
  - पश्चिमी चंपारण में वाल्मीकि नगर टाइगर रिज़र्व

सहारा इंडिया निवेशकों के राहत प्रयास: एक करीबी नज़र

चर्चा में क्यों ?

सहारा **इंडिया समूह वित्तीय संकट** से गुज़र रहा है , जिसके कारण **बिहार के 33,000** निवेशकों सहित पूरे भारत में लाखों निवेशक अपना पैसा वसूलने के लिये संघर्ष कर रहे हैं

प्रमुख बिंदु:

- देशभर के करीब **10 करोड़ निवेशकों के** लगभग **एक लाख करोड़ रुपए सहारा इंडिया समूह** की चार सहकारी समितियों में फँसे हुए है ।
- इनमें बिहार के **33,000 निवेशक शामिल हैं, जिनके 410 करोड़ रुपए** फँसे हुए है
- केंद्र सरकार ने पैसा वापस करने के प्रयास शुरू कर दिये हैं और कुछ निवेशकों को **10,000 रुपए मिल भी चुके हैं**
- अब रिफंड की सीमा बढ़ाकर **50,000 रुपए कर दी गई है** ।
- **सहारा इंडिया समूह ने सीआरसी सहारा रिफंड पोर्टल** लॉन्च किया है , जिसके माध्यम से निवेशक अपनी लंबित राशि का दावा कर सकते हैं

नोट :

- ज़िला **प्रशासन ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट** पर पोर्टल के बारे में विस्तृत जानकारी भी दी है । निवेशकों को रिफंड प्रक्रिया में तेज़ी लाने के लिये पोर्टल के माध्यम से **अपने दावे** तुरंत प्रस्तुत करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है ।

जीवित्पुत्रिका त्योहार

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में बिहार में **जीवित्पुत्रिका त्योहार** के दौरान नदियों और तालाबों में डूबने से 37 बच्चों सहित कम से कम 46 लोगों की मृत्यु हो गई।

मुख्य बिंदु

- **जीवित्पुत्रिका:**
  - जीवित्पुत्रिका, जिसे **जितिया व्रत** के नाम से भी जाना जाता है, एक हिंदू त्योहार है जो मुख्य रूप से उत्तरी और पूर्वी भारत में, विशेषकर **बिहार, उत्तर प्रदेश** और **झारखंड** में मनाया जाता है।
  - यह त्योहार **माताएँ** अपने बच्चों के **कल्याण**, **लंबी आयु** और **समृद्धि** के लिये व्रत रखती हैं।
  - यह त्योहार **तीन दिनों** तक चलता है।
  - **नहाय-खाय:** यह त्योहार माताओं के **शुद्धिकरण स्नान** और पौष्टिक भोजन का आनंद लेने के साथ शुरू होता है।
  - **व्रत दिवस:** दूसरे दिन कठोर व्रत अनुष्ठान किया जाता है।
  - **पारण:** यह त्योहार तीसरे दिन समाप्त होता है, जहाँ भोजन के साथ व्रत को तोड़ा जाता है।
  - यह त्योहार हिंदू पौराणिक कथाओं पर आधारित है, विशेष रूप से **राजा जीमूतवाहन** की कहानी को याद करते हुए, जिन्हें दूसरों के कल्याण के लिये उनके बलिदान के लिये सम्मानित किया जाता है।

बिहार के त्योहार

- **छठ पूजा:** यह एक प्राचीन हिंदू त्योहार है जो सूर्य देव और उनकी पत्नी उषा का सम्मान करता है। यह **बिहार, झारखंड** और **उत्तर प्रदेश** में **दीपावली के छह दिन बाद** मनाया जाता है।
- **सोनपुर पशु मेला:** एशिया का सबसे बड़ा पशु मेला, जो दीपावली के बाद पूर्णिमा के दिन **गंगा और गंडक नदियों** के संगम पर आयोजित होता है।
- **मकर संक्रांति:** बिहार का फसल त्योहार, जो जनवरी में पुष्प चढ़ाने, गंगा में पवित्र स्नान और पूजा के साथ मनाया जाता है।
- **राजगीर महोत्सव:** राजगीर में अक्तूबर के अंतिम सप्ताह में नृत्य और संगीत का एक रंगारंग उत्सव आयोजित किया जाता है।
- **बुद्ध जयंती:** मई माह में पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है
- **झिझिया लोक नृत्य:** यह एक प्रसिद्ध लोक नृत्य है जो केवल महिलाओं द्वारा नवरात्रि त्योहार के दौरान किया जाता है।

✦ ✦ ✦ ✦

नोट :